Greenlawns School, Worli

द्वितीय सत्रीय पुनरावलोकन (२३–२४)

कक्षा- आठवीं पूर्णांक – ८०

दिनांक - १५-२-२०२४ विषय - हिंदी समय - २१/२ घंटे

सूचना : १. इस प्रश्न पत्र के दो भाग है।

२. भाग ' अ ' के सभी प्रश्नों के उत्तर लिखना अनिवार्य हैं।

३ .भाग ' ब ' के उत्तर वहाँ दी गई सूचना के अनुसार लिखिए।

विभाग - अ (अंक - ४०)

भाषा - विभाग

प्रश्न १] निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर २५० शब्दों में निबंध लिखिए : [१५]

i) मानव जीवन में शिक्षा का बहुत महत्व है । विद्यार्थी जीवन में तो शिक्षा की नितांत आवश्यकता है । इस संबंध में अपने विचार प्रस्तुत कीजिए ।

ii) मनुष्य अपने मित्रों के द्वारा ही जाना जाता है । उसके मित्रों का चयन ही उसके व्यक्तित्व का मापक है । व्यक्ति के जीवन में उसके मित्रों का क्या महत्व है और वे उसके जीवन को किस प्रकार प्रभावित करते हैं ।

iii) आपका विद्यालय प्रतिवर्ष आपके लिए 'ऐतिहासिक भ्रमण' (Historical Tour) का आयोजन करता है ।इसकी उपयोगिता पर अपने विचार और यात्रा का अनुभव प्रस्ताव के रूप में लिखिए ।

iv) 'घर की मुर्गी दाल बराबर ।'इस लोकोक्ति के आधार पर एक मौलिक कहानी लिखिए ।

v) नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और उसके आधार पर कोई घटना ,कहानी या लेख लिखिए पर ध्यान रहे विषय का संबंध चित्र से होना चाहिए :-

P.T.O

प्रश्न २] निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिंदी में लगभग १२० शब्दों में लिखिए :-
(लिफाफा आवश्यक) (७)

i) अपने विद्यालय में खेल का सामान मँगवाने के लिए प्रधानाचार्यजी को पत्र लिखिए।

अथवा

ii)अपने बड़े भाई को एक घड़ी खरीदने के लिए रुपए भेजने का निवेदन करते हुए पत्र लिखिए ।

प्रश्न ३] निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए : -

एक दिन महात्मा बुद्ध एक वृक्ष के नीचे बैठे विश्राम कर रहे थे | तभी, अकस्मात ही एक डाकू वहाँ आया और महात्मा बुद्ध को मारने के लिए उद्यत हुआ |

महात्मा बुद्ध शांत चित्तसे निर्विकार भाव से, मुस्कराते हुए बोले, " तुम मुझे मारना चाहते हो? अवश्य मारो, परंतु मुझे मारने से पूर्व यदि मेरी एक इच्छा पुरी कर दो, तो तुम्हारा मुझ पर महान उपकार होगा |" क्या काम है? डाकू ने पूछा | भगवान बुद्ध ने कहा, "मित्र, मरने वाले की अंतिम इच्छा पुरी करना बडे पुण्य का काम है | सामने जो वृक्ष दिखाई दे रहा है उसकी एक शाखा काटकर मुझे ला दो |"

डाकू मन-ही-मन महात्मा बुद्ध पर हँसा - पागल है | पेड़ की टहनी भी कोई माँगने की वस्तु है| प्राणदान भी तो माँगा जा सकता था |

डाकू ने अपनी खड्ग से उस वृक्ष की एक शाखा काट कर महात्मा बुद्ध को दे दी | टहनी को अपने हाथ में लेकर भगवान बुद्ध ने कहा, "मित्र तुमने मेरा आधा कार्य तो संपन्न कर दिया, बाकी आधा भी कर दो, तो बहुत ही कृपा होगी | इस शाखा को वापस उसी स्थान पर जोड़ दो जहाँ से इसे काटकर लाये हो |"

डाकू यह सुनकर क्रुद्ध हो गया | अपने तिरस्कार, अवज्ञा और अवहेलना के भाव को मुखरित करते हुए बोला, "तुम तो निपट मूर्ख हो | काटी हुई शाखा को जोड़ना संभव नहीं है | असंभव भी कभी संभव हो सकता है? यह अब वापस जोड़ी नहीं जा सकती | कुछ और माँग लो |"

डाकू के व्यंग्य और खीझ भरे उद्गारों से महात्मा बुद्ध तनिक भी विचलित नहीं हुए | शांत एवं गंभीर स्वर में बोले, "मुझे और कुछ नहीं चाहिए, परंतु इस तथ्य को समझ लो कि जो तोड़ता है वह कमजोर है और जोड़ता है वह शक्तिशाली है | जिस काम के लिए आए हो वह करो | अब तुम मुझे मार सकते हो |"

डाकू सोच में पड़ गया - मैंने तो कितने लोगों को काट डाला है | अपनी तलवार की तीक्ष्ण धार से कितने ही लोगों को शाश्वत नींद में सुला चुका हूँ | जोड़ तो मैं किसी को भी नहीं सकता | उनमें से किसी को भी पुनर्जीवित नहीं कर सकता |

उसका हृदय - परिवर्तन हो गया | उसको अपने कुकृत्यों पर पश्चाताप होने लगा | वह भगवान बुद्ध के चरणों पर गिर पडा़ |

भगवान बुद्ध ने उस कातर प्राणी को सस्नेह उठाया और कहा, "जाओ, आज से जोड़ो और जीवन का आनंद उठाओ | यही मानवता है |"

प्रश्न :

i) महात्मा बुद्ध ने डाकू से क्या कहा, कब कहा और क्यों कहा ? (२)

ii) डाकू को किसने क्रुद्ध किया और कैसे ? (२)

iii) डाकू ने 'निपट मूर्ख' किसको कहा और क्यों ? (२)

iv) डाकू सोच में क्यों पड गया ? (२)

v) डाकू को पश्चाताप क्यों हुआ और उसने क्या किया ? (२)

प्रश्न ४] निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए : - (८)

i) ' महान ' का विलोम बताइए -

a) क्षुद्र b) षुद्र c) क्षुद d) क्षूद्र

ii) ' हिरन ' का पर्यायवाची शब्द बताइए -

a) मृग , चमू b) सारंग , भुजंग c) कुरंग , मृग d) भुजंग , चमू

iii) ' कहना ' की भाववाचक संज्ञा बताइए -

a) कहावत b) कहावट c) कहाना d) कहाना

iv) 'शत्रुओं को नष्ट करनेवाला' अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए -

a) शत्रुजंय b) शत्रुघ्न c) शत्रूघ्न d) शत्रुघन

v) 'श्री गणेश करना' मुहावरे का अर्थ बताइए -

a) हैरान रह जाना b)बहुत परेशान होना c) आरंभ करना d)उपहास करना

vi) निर्देशानुसार वाक्य का परिवर्तन बताइए - (इस वाक्य का शुद्ध रूप बताइए)

'प्लेग में बहुत से लोग मर गए।'

a) प्लेग ने बहुत से लोग मर गए ।

b) प्लेग को बहुत से लोग मर गए ।

c) प्लेग की बहुत से लोग मर गए ।

d) प्लेग से बहुत से लोग मर गए ।

vii) निर्देशानुसार वाक्य का परिवर्तन बताइए - (लिंग परिवर्तन कीजिए)

'बादशाह अपने जीजी के साथ बात कर रहा था।'

a) रानी अपने जीजा के साथ बात कर रही थी ।

b) बेगम अपनी जीजा के साथ बात कर रहा था ।

c) बेगम अपने जीजा के साथ बात कर रही थी ।

d) बेगम अपने जीझा के साथ बात कर रही थी । P.T.O

viii) निर्देशानुसार वाक्य का परिवर्तन बताइए - (वचन परिवर्तन कीजिए)

'मछली पानी में तैरती है।'

a)मछली पानी में तैरती है ।

b)मछलियाँ पानी में तैरती हैं ।

c)मछली है पानी में तैरती ।

d)मछली पानी में नहीं तैरती है ।

विभाग ब (अंक - ४०)

साहित्य - विभाग

निर्देश - नीचे लिखे अवतरणों को पढ़कर उनके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए । (५ ,६, ७) अनिवार्य है। शेष प्रश्नों (८,९,१०) में से किन्हीं <u>दो</u> प्रश्नों के उत्तर लिखिए।)

प्रश्न ५) शब्दार्थ लिखिए - पोथी , नयन ,नफरत , अश्रु (२)

प्रश्न ६) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

i) परशुराम ने कर्ण को कौनसा श्राप दिया ? (२)

ii) विदुर ने कुंती से क्या कहा व आधे राज्य को सौंपते हुए किसका राज्याभिषेक किया ? (२)

iii) जब विवाह मंडप में जाने का समय आया तो काशी नरेश की बड़ी पुत्री ने एकांत में आकर क्या कहा ? (२)

iv) कुंती सभा में अचेत क्यों हो गई ? (२)

प्रश्न ७) निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

सपना क्या है ? नयन - सेज पर
सोया हुआ आँख का पानी
और टूटना है उसका ज्यों
जागे कच्ची नींद जवानी ।

प्रश्न:

i) सपनों के मर जाने से , कुछ दीयों के बुझ जाने से तथा कुछ मुखडों की नाराज़गी से क्या - क्या नहीं मरा करता है ? (२)

ii) निराशावादी और आशावादी व्यक्तियों में क्या अंतर होता है ? उदाहरण देकर समझाइए। (२)

iii) कविता के आधार पर बताइए कि हमें निराशावादी क्यों नहीं होना चाहिए ? (३)

iv) प्रस्तुत कविता के कवि का परिचय दीजिए । (३)

प्रश्न ८) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

जिस दिन सुभागी ने आखिरी किस्त चुकाई , उस दिन उसकी सुख खुशी का ठिकाना न था । आज उसके जीवन का कठोर व्रत पूरा हो गया ।
वह चलने लगी तो सजनसिंह ने कहा," बेटी, तुमसे एक प्रार्थना है । कहो कहूँ, मगर वचन दो कि मानोगी ।"
प्रश्न:

i) सुभागी घर में क्या - क्या कार्य करती थी ? (२)
ii) सजनसिंह ने सुभागी को अपनी पुत्र वधू के रुप में क्यों चुना ? (२)
iii) सुभागी के जीवन का कठोर व्रत क्या था और उसने उसे कैसे पूरा किया ? (३)
iv) सुभागी कहानी से क्या शिक्षा मिलती है ? (३)

प्रश्न ९) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

बिस्तर पर लेटे स्वामी को यह सोचकर डर - सा लगा कि आज सोमवार की सुबह है। लगता था कि अभी एक क्षण पहले ही शुक्रवार की आखिरी कक्षा हुई है , भले ही दो दिन बीत चुके थे।

i)स्वामी बिस्तर पर लेटे हुए क्यों काँपने लगे ? (२)
ii)स्वामी ने अपने शिक्षक सैमुएल के बारे में अपने पिता को क्या कहा ? (२)
iii) स्वामी के पिता की क्या प्रतिक्रिया थी जब स्वामी ने उन्हें बताया कि वह स्कूल नहीं जा रहे हैं उसकी प्रतिक्रिया उसकी माँ से कितनी भिन्न थी ? (३)
iv) झूठ बोलने से क्या नुकसान होता है अपने शब्दों में बताइए। (३)

प्रश्न १०) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

'नहीं पुत्र नहीं ! तुम अभी बालक हो तुम नहीं जानते कि चक्रव्यूह तोड़ना कितना कठिन है।'

i)कुरुक्षेत्र के मैदान में किन-किन के बीच और किस संदर्भ में युद्ध चल रहा था ? (२)
ii) चक्रव्यूह की रचना किसने की और चक्रव्यूह के रचना के बारे में बताइए । (२)
iii) 'बालक' का नाम लिखिए । उन्होंने चक्रव्यूह तोड़ने की विद्या कब सीखी ? फिर भी उन्हें चक्रव्यूह तोड़ने का ज्ञान क्यों न था ? (३)
iv) वीर बालक से आपने क्या सीखा ? पाठ के आधार पर बताइए । (३)

समाप्त